

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा का महत्व

*डॉ। सुमेधा चौधरी

प्रस्तावना:-

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (Early Childhood Education) बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि यह उनके शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास का आधार तैयार करती है। जीवन के शुरुआती वर्षों में बच्चों के मस्तिष्क का विकास अत्यधिक तेजी से होता है, और इस दौरान उन्हें जो भी शिक्षा और अनुभव मिलते हैं, वे उनके व्यक्तित्व और भविष्य के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा न केवल बच्चों के वर्तमान विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह उनके दीर्घकालिक शैक्षिक और व्यक्तिगत सफलता का आधार भी है।

मस्तिष्क विकास में भूमिका:

शोध से यह साबित हो चुका है कि जीवन के पहले पांच वर्षों में बच्चों के मस्तिष्क का 90% विकास हो जाता है। इस अवधि में बच्चों को जो अनुभव मिलते हैं, वे उनके मस्तिष्क की संरचना और कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हैं। इसलिए, प्रारंभिक शिक्षा का समय बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। अच्छी गुणवत्ता वाली प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के मस्तिष्क को सही दिशा में विकसित करने में मदद करती है, जिससे वे जीवन भर सीखने और सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार रहते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक विकास:

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा का एक और महत्वपूर्ण पहलू बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास से संबंधित है। इस शिक्षा के माध्यम से बच्चे अपने साथियों के साथ बातचीत करना, साझा करना, सहयोग करना और टीम में काम करना सीखते हैं। यह उन्हें आत्म-नियंत्रण, धैर्य, सहानुभूति और समझ विकसित करने में मदद करता है। जब बच्चे प्रारंभिक अवस्था में इन सामाजिक और भावनात्मक कौशलों को सीखते हैं, तो वे अपने जीवन में बेहतर संबंध स्थापित कर सकते हैं और समाज में एक सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

शैक्षिक सफलता के लिए आधार:

प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के भविष्य के शैक्षिक जीवन के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती है। जब बच्चे बचपन में सही शिक्षा प्राप्त करते हैं, तो वे स्कूल में अच्छे परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। यह शिक्षा उन्हें पठन-पाठन, गणित और भाषा कौशल में दक्ष बनाती है, जो उन्हें भविष्य में शैक्षिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है। इसके साथ ही, प्रारंभिक शिक्षा बच्चों में सीखने के प्रति रुचि और जिज्ञासा उत्पन्न करती है, जिससे वे जीवन भर सीखने के लिए प्रेरित रहते हैं।

असमानताओं को कम करने में भूमिका:

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा समाज में आर्थिक और सामाजिक असमानताओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गरीब और पिछड़े वर्ग के

*डॉ। सुमेधा चौधरी

अध्यापिका, मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग,
चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, यू.पी.

बच्चों को सही समय पर अच्छी गुणवत्ता वाली प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाए, तो वे भी अपने जीवन में सफल हो सकते हैं। यह शिक्षा उनके शैक्षिक और आर्थिक अवसरों को बढ़ाती है और समाज में समानता की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाने में मदद करती है।

बच्चों की सीखने की क्षमता का विकास:

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा बच्चों की सीखने की क्षमता को विकसित करती है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में नई-नई चीजें सीखते हैं, जिससे उनकी बौद्धिक क्षमता और रचनात्मकता का विकास होता है। यह शिक्षा बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, सवाल पूछने और नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही, बच्चों को उनकी सीखने की गति के अनुसार सिखाने से वे जल्दी और आसानी से चीजों को समझ पाते हैं।

प्रारंभिक शिक्षा और समाज:

जब समाज में बच्चों को अच्छी प्रारंभिक शिक्षा मिलती है, तो इससे समाज का समग्र विकास होता है। शिक्षित और सशक्त बच्चे भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बनते हैं, जो समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रारंभिक शिक्षा न केवल बच्चों को शैक्षिक और व्यक्तिगत सफलता की ओर ले जाती है, बल्कि यह उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी प्रेरित करती है।

निष्कर्ष:

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो बच्चों के समग्र विकास और उनके भविष्य की नींव रखती है। इसके माध्यम से बच्चों को न केवल शैक्षिक कौशल प्राप्त होते हैं, बल्कि वे सामाजिक, भावनात्मक और मानसिक रूप से भी विकसित होते हैं। यह शिक्षा बच्चों को भविष्य में बेहतर जीवन जीने के

लिए सक्षम बनाती है और समाज के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि सभी बच्चों को सही समय पर अच्छी गुणवत्ता वाली प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा प्राप्त हो, ताकि वे अपने जीवन में सफल और खुशहाल बन सकें।